

---

shrI mahAshAstRi dashakaM

श्रीमहाशास्त्र दशकम्

Document Information

---

Text title : shaastridashakam

File name : shaastridashakam.itx

Category : deities\_misc, stotra, dashaka

Location : doc\_deities\_misc

Transliterated by : Antaratma antaratma at Safe-mail.net

Proofread by : Antaratma antaratma at Safe-mail.net

Latest update : April 23, 2008

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 16, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीमहाशास्त्र दशकम्



पाण्ड्यभूपतीन्द्र पूर्व पुण्यमोडनाकृते  
पण्डितायिताङ्घ्रि पुण्डरीक पावनाकृते  
पूर्वायन्द्रतुण्ड वेत्रदण्डवीर्यवारिधे  
पूर्वापुष्कलासमेत भूतनाथ पाळि माम् ॥ १

आदिशङ्कराच्युत प्रियात्मसंभवप्रभो  
आदिभूतनाथ साधु भक्तचिन्तितप्रद  
भूतिभूष वेदधोष पारितोष शास्वत  
पूर्वापुष्कलासमेत भूतनाथ पाळि माम् ॥ २

पञ्चबाणकोटि कोमलाकृते कृपानिधे  
पञ्चगव्यपायसान्न पानकादिमोदित  
पञ्चभूत सञ्चयप्रपञ्चभूतपालक  
पूर्वापुष्कलासमेत भूतनाथ पाळि माम् ॥ ३

यन्द्रसूर्य वीतिखेत्र नेत्र वक्त्रमोडन  
सान्द्रसुन्दर स्मितार्द्र केशिन्द्रवाहन  
धन्द्रवन्दनीयपाद साधुवृन्दश्रवण  
पूर्वापुष्कलासमेत भूतनाथ पाळि माम् ॥ ४

अत्युदारभक्त चित्तरङ्ग नर्तन प्रभो  
नित्यशुद्ध निर्मलाद्वितीयधर्मपालक  
सत्यरूप मुक्तिरूप सर्वदेवतात्मक  
पूर्वापुष्कलासमेत भूतनाथ पाळि माम् ॥ ५

वीरबाहु वार्णनीय वीर्यशौर्यवारिधे  
वारिजासनादि देववन्द्य सुन्दराकृते  
वारणेन्द्र वाजिसिन्धुवाह भक्तशेवधे  
पूर्वापुष्कलासमेत भूतनाथ पाळि माम् ॥ ६

सामगानलोल शान्तशील धर्म पालक  
सोमसुन्दरास्य साधुपूजनीय पादुक  
सामदानभेददृष्ट शास्त्रनीति बोधक  
पूर्वापुष्कलासमेत भूतनाथ पाछि माम् ॥ ७

सुप्रसन्न देवदेव सत्गति प्रदायक  
चित्प्रकाशधर्मपाल सर्वभूतनायक  
सुप्रसिद्ध पञ्चशैल सन्निडेतन नर्तक  
पूर्वापुष्कलासमेत भूतनाथ पाछि माम् ॥ ८

शूल-थाप-भाण-भङ्ग-वज्र-शक्तिशोभित  
बालसूर्यकोटि भासुराङ्ग भूतसेवित  
कालयुक्त सम्प्रवृत्त कल्पनासमन्वित  
पूर्वापुष्कलासमेत भूतनाथ पाछि माम् ॥ ९

अद्भुतात्म बोधसत्सनातनोपादशक  
बुद्धुदोपम प्रपञ्च विभ्रम प्रकाशक  
सप्रथ प्रगल्भयित् प्रकाशदिव्यदेशिक  
पूर्वापुष्कलासमेत भूतनाथ पाछि माम् ॥ १०

एति श्री महा शास्तु दशकं सम्पूर्णात् ॥

Encoded and proofread by Antaratma antaratma at Safe-mail.net

---

—  
*shrI mahAshAstRi dashakaM*

pdf was typeset on September 16, 2023

—

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

